जैविक विधि से लीची की खेती करने वाले 200 किसानों को मिलेगा जिओ टैग

चर्चा में क्यों?

20 जनवरी, 2023 को बिहार के मुज़फ्फरपुर ज़िला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक धर्मेंद्र सिंह ने ज़िला उद्योग केंद्र में एक कार्यशाला के दौरान बताया कि मुज़फ्फरपुर में जैविक खेती से लीची का उत्पादन करने वाले 200 किसानों को जिओ टैग से जोड़ा जाएगा, जिस पर उनके उत्पादन से लेकर पूरा रिकॉर्ड होगा।

प्रमुख बिंदु

- ज़िला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि लीची का उत्पादन करने वाले किसानों को जिओ टैग से जोड़े जाने पर देश-विदेश कहीं से भी लोग जिओ टैग की बदौलत सीधा किसान से संपर्क कर सकते हैं। इसके लिये 'एक ज़िला एक उत्पाद' के तहत लीची उत्पादान करने वाले किसानों के रिकॉर्ड के लिये ज़िला उद्योग विभाग की ओर से एक टीम भी बनाई गई है।
- विदित है कि 'एक ज़िला एक उत्पाद' का मुख्य उद्देश्य प्रोडक्ट की मार्केटिंग करना है। ऐसे में लीची की मार्केटिंग के लिये पूरी कार्य योजना तैयार की गई है।
- ज़िला उद्योग केंद्र की कार्यशाला के दौरान 'एक ज़िला एक उत्पाद' के तहत लीची की जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिये किसानों को प्रेरित किया गया।
- इन्वेस्ट इंडिया की नचिकेता ने बताया कि लीची की जैविक खेती से किसानों को ज़्यादा से ज़्यादा लाभ मिल सकेगा। उन्होंने ज़िले के छोटे किसानों को एक साथ मिल कर या फिर एफपीओ बनाकर लीची की खेती के बारे में जानकारी दी तथा लीची के बाग में हल्दी, सरसों, अदरक आदि की फसल के लाभ के बारे में भी बताया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/200-farmers-cultivating-lychee-with-organic-method-will-get-geo-tag